प्रसार भारती

भारतीय प्रसारण निगम

आकाशवाणी केन्द्र शिमला

02.08.2024 / प्रादेशिक समाचार / 9:20 बजे

मौसम अपडेट

प्रदेश में बीती 31 जुलाई को रात को मानसून की भारी वर्षा और बादल फटने की घटना से शिमला, कुल्लू और मंडी में जानमाल को भारी क्षति पहुंची है। बादल फटने की घटनाओं में अभी भी 55 लोग लापता हैं जबकि 2 व्यक्तियों की मृत्यु हो गई है। जानकारी के मुताबिक इन प्रभावित क्षेत्रों में आज सुबह से ही सर्च ऑप्रेशन शुरू हो गया है। कुल्लू जिले में तीन जबकि मंडी व शिमला में एक–एक जगह बादल फटने की घटनाएं हुई हैं। शिमला जिला के झाकड़ी का समेज क्षेत्र सबसे ज्यादा प्रभावित हुआ है जहां बादल फटने से आवासीय क्षेत्र से 36 लोग अभी भी लापता हैं। उपायुक्त अनुपम कश्यप ने बताया कि इलाके के करीब 85 किलोमीटर तक क्षेत्र में लापता लोगों को ढूंढने के लिए सर्च ऑप्रेशन किया जा रहा है, जिसके लिए प्रभावित क्षेत्र को छह हिस्सों में बांटा गया है। उन्होंने बताया कि बचाव कार्यों में लगी टीमों को अलग–अलग स्थानों पर ठहराया गया है और स्थानीय युवक मंडल व अन्य लोग भी बचाव कार्य में मदद कर रहे हैं। बादल फटने की घटनाओं के कारण भारी बारिश से हुए नुकसान की समीक्षा के लिए मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने कल शिमला में वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठक की। उन्होंने कहा कि इस समय लोगों के जीवन की सुरक्षा प्रदेश सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है और पूरी मशीनरी युद्धस्तर पर राहत और पुनर्वास कार्य में जुटी हुई हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में आपदा निगरानी के लिए 13 स्थानों पर राज्य आपतकालीन केंद्र स्थापित किए गए हैं जिसके माध्यम से सभी संवेदनशील स्थानों पर 24 घंटे निगरानी रखी जा रही है। इस बीच प्रदेश में भारी बारिश व भूस्खलन की घटनाओं को देखते हुए मंडी व कुल्लू जिला प्रशासन ने आज सभी शैक्षणिक संस्थान बंद करने के आदेश जारी किए हैं। उधर कुल्लू जिला के मलाणा डैम साइट में फंसे अन्य चार लोगों को रैस्क्यू करने का कार्य शुरू हो गया है। हमारे जिला संवाददाता के अनुसार मलाणा डैम साइट में कुल 37 लोग फंसे थे, जिनमें से 33 लोगों को एनडीआरएफ व होमगार्डस की टीमों ने सुरक्षित रेस्क्यू कर लिया था। भारी बारिश व बादल फटने की घटनाओं से कई सड़क मार्गों को भी भारी नुकसान पहुंचा है। इसके अलावा बिजली व पेयजल योजनाएं भी क्षतिग्रस्त हुई हैं, जिन्हें सुचारू करने का कार्य जारी है। इधर मौसम विभाग के अनुसार अगले चार–पांच दिन प्रदेश के कई स्थानों पर बारिश जारी रहेगी।

प्रधानमंत्री–मुख्यमंत्री

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने प्रदेश में भारी वर्षा व बादल फटने की घटनाओं से उत्पन्न स्थिति की निगरानी कर रहे हैं। एक सोशल मीडिया पोस्ट में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि आपदा की इस घड़ी में केंद्र सरकार हिमाचल की जनता के साथ खड़ी है और केंद्र की ओर से राज्य को हरसंभव सहायता दी जा रही है। उन्होंने अधिकारियों को स्थिति से निपटने के लिए हरसंभव कदम उठाने के निर्देश दिए हैं। गृहमंत्री अमित शाह व केंद्रीय मंत्री जगत प्रकाश नड्डा ने भी मुख्यमंत्री से दूरभाष के माध्यम से बात कर स्थिति का जायज़ा लिया और हरसंभव सहायता का आश्वासन दिया। इसके अलावा भाजपा व कांग्रेस के अन्य वरिष्ठ नेताओं ने भी बादल फटने की इन घटनाओं पर दुख जताया। विपक्ष के नेता जयराम ठाकुर ने कहा कि आपदा की इस घड़ी में पार्टी सरकार और प्रभावित लोगों के साथ खड़ी है। उन्होंने पार्टी से जुड़े सभी लोगों से प्रभावित परिवारों की मदद के लिए आगे आकर सहायता करने का आग्रह किया।

इस बीच मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू आज आपदा प्रभावित क्षेत्रों का दौरा करेंगे। वे करीब 11 बजे रामपुर के समेज में घटनास्थल का निरीक्षण करेंगे और प्रभावित लोगों से भी मिलेंगे।

राष्ट्रपति–राज्यपाल बैठक

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु आज दिल्ली स्थित राष्ट्रपति भवन में दो दिवसीय राज्यपाल सम्मेलन की अध्यक्षता करेंगी। ये सम्मेलन राष्ट्रपति की अध्यक्षता में राज्यपालों का पहला सम्मेलन होगा। सभी राज्यों के राज्यपाल बैठक में भाग लेंगे। उप–राष्ट्रपति जगदीप धनखड़, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह, सहित अन्य केन्द्रीय मंत्री भी इस सम्मेलन में भाग लेंगे। नीति आयोग के उपाध्यक्ष व मुख्य कार्यकारी अधिकारी सहित प्रधानमंत्री कार्यालय और गृह मंत्रालय में मंत्रिमंडलीय सचिवालय के वरिष्ठ अधिकारी भी बैठक में उपस्थित रहेंगे। सम्मेलन की कार्यसूची में तीन आपराधिक विधानों का कार्यान्वयन, उच्च शिक्षा में सुधार और विश्वविद्यालयों का प्रत्यायन व चयनित क्षेत्रों के विकास का मुद्दा शामिल होगा। अभियानों में राज्यापालों की भूमिका और राज्यों में विभिन्न केन्द्रीय एजेंसियों के बीच बेहतर समन्वय सहित कई अन्य महत्वपूर्ण विषयों पर भी विचार–विमर्श होगा।

सुर्खियां समाचार पत्रों से

आज अधिकांश समाचार पत्रों ने मौसम से जुड़ी खबर को प्रमुखता से प्रकाशित किया है। पंजाब केसरी की सुर्खी है कुल्लू, रामपुर और पधर में बादल फटने से भारी तबाही, 5 की मौत, 50 लापता। अमर उजाला का शीर्षक है हिमाचल में आधी रात छह जगह फटे बादल, पांच लोगों की मौत, 48 लापता, 47 घर बहे। दैनिक भास्कर का कहना है प्रदेश में पहली बार 5 जगह बादल फटे, 6 की मौत, 47 से ज्यादा लोग लापता, कुल्लू–मंडी में ब्यास उफान पर। दैनिक जागरण के मुताबिक शिमला जिला का समेज गांव तबाह। दिव्य हिमाचल के शब्द हैं श्रीखंड महादेव मार्ग और मंडी में बादल फटने से आया मौत का सैलाब। दैनिक सवेरा टाइम्स के अनुसार पहाड़ों पर कुदरत का जल प्रजय, अगस्त का पहला दिन विनाश लेकर आया।